विचार बिन्दु

निरंतर विकास जीवन का एक नियम है। और जो भी व्यक्ति खुद को सही दिखाने के लिए अपनी रूढ़िवादिता को बरकरार रखने की कोशिश करता है वो खुद को एक गलत स्थिति में पंहुचा देता है। –महात्मा गांधी

डिजिटल अरेस्ट : चेतावनी बेअसर, नागरिक लुट रहे हैं

जिस देश के प्रधानमंत्री डिजिटल अरेस्ट के खिलाफ चेतावनी जारी करें, भरोसा दिलाएं कि फरेबियों से डरें नहीं और वहां के नागरिको की डिजिटल लूट के कारनामे से मनोविज्ञान स्तर पर राष्ट्रव्यापी भय की लहर पनप रही है और यहां नित नई करुण गाथा रची जा रही है । सरकार के हाथ-पांव फूल रहे हैं और डिजिटल लुटेरे खुलेआम फल-फूल रहे हैं।

2024 में भारत में डिजिटल अरेस्ट की कई घटनाएं हैरान करने वाली हैं। यह बिल्कुल भी हैरान नही करने वाला आंकडा है कि 2024 में भारतीयों ने 25 हज़ार करोड रुपये डिजिटल अरेस्ट की वजह से गंवाए हैं। बाकि दुनिया में भी इसी तरह का फरेब काफी बड़ा है । भारत में नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल पर रोज़ाना करीब 6 हज़ार शिकायतें दर्ज होती है जो कि वास्तविक घटनाओं की तुलना में काफी कम है। डिजिटल अरेस्ट की वजह से कई लोगों ने पैसा ही नही अपनी जान भी गंवाई है। पिछले साल सिर्फ भारत में 60 करोड़ रुपये का चूना रोजाना लगा है।

यह हैरानी वाली बात है कि डिजिटल अरेस्ट के शिकार उच्च शिक्षित, तकनीकी कौशल के दक्ष और उच्च पदस्थ व्यक्ति हो रहे हैं साधारण नागरिकों की तो बात ही छोड़िए। तो क्या लोग वाकई में साइबर ठगों को पहचान नही पा रहे या उनकी धमकियों में छिपे पुलिस तन्त्र की छाया इसकी जड़ है। आप डिजिटल अरेस्ट की खबर पढ़ेंगे तो पाएंगे कि साइबर ठग पहले ही वाट्सएप काल में पुलिस, सीबीआई या ऐसी ही किसी सुरक्षा एजेंसियों की ड्रैस पहन कर धमकी देते हैं और फिर लूट का खेल शुरू हो जाता है। दरअसल आम हो या खास भारतीय नागरिकों के मन में आजादी के इतने लम्बे समय बाद भी पुलिस को लेकर ब्रिटिशिया राज जैसा भय व्याप्त है। हम देख रहे हैं प्रतिवर्ष पुलिस निरपराध लोगों को फंसा कर खूब पैसा ऐंठती है। इनमें से बहुत थोड़े से केस ही सामने आ पाते हैं अधिकांश लोग तो लोकलाज और भय के कारण मुंह ही नहीं खोलते हैं।

डिजिटल अरेस्ट भी ऐसी ही अनदेखी, अनजानी भय की स्थिति है जिसमें आम और खास सभी तरह के लोग लपेटे में आ रहे हैं। यह चकित करने वाली बात है कि जिसे आप जानते नही महज वाट्सएप काल पर फर्जी पुलिस वर्दी वाला अपराधी अवतरित होता है और आप पर एक के बाद एक बेबुनियाद इल्ज़ाम लगाता है और आपकी सांसें फूलने लगती है। बस यहीं से वह आपके माइन्ड पर कन्ट्रोल कर लेता है और आप उसके कहे कहे बताए एकाउंट में दनादन पैसे ट्रांसफर कर कंगाल हो जाते हैं। प्रतिष्ठा की रक्षा के लिए व्यक्ति भय की चरम अवस्था में पंहुच जाता है। जहां वह परिजनों, मित्रों को कुछ नही बताता। जब सब कुछ लुटा जाता है तब चीखने से क्या होता है। ऐसे अधिकांश मामले पुलिस की निगाह में होते हैं बल्कि लोगों का मानना है कि इन मामलों में पुलिस की मिली भगत भी होती है। समय रहते पुलिस को शिकायत की तो जवाब सुनिए। मेरी एक निकट परिजन को ऐसा फर्जी काल आया। वे सचेत थी उसे धमका कर तुरंत ब्लाक किया और पुलिस को घटना की सूचना दी, जवाब मिला फ्राड तो हुआ नही सो हम कुछ नही कर सकते। अब आप समझ गए होगे पुलिस की मिलीभगत किस तरह प्रमाणित है। यानी पहले आप लुटिए फिर हम एक्सन लेंगे। वाह साहब यह खूब हुआ नागरिकों की हिफाजत का तरीका। यह भी हैरान करने वाले समाचार हैं कि सेना और पुलिस की नौकरी के रिटायर्ड या निकाल दिए गए ये लोग भी इन अपराधी गिरोहों के सरगना हैं। दूसरी हैरान करने वाली बात है बिना समुचित प्रमाण पेश किए लोग पुलिस की वर्दी खरीद कैसे रहें हैं? जब कानून का इकबाल बुलन्द न हो तो ये सब आसानी से हो सकता है खेल मिलिभगत का जो है।

पुलिस की कार्यप्रणाली से भी अधिक बैंकों की सम्पूर्ण प्रक्रिया इस विषय में गहरे संदेह के घेरे में दिखाई पड़ रही है। अनेक व्यक्ति एक दिन से लेकर 37 दिन तक डिजिटल अरेस्ट हुए और उनके खातों से करोड़ों रूपए ट्रांसफर होते रहे हैं। जो बैंक पचास हजार के ट्रांजेक्शन पर एलर्ट भेजता है और अधिक पैसा भेजने की कोशिश पर खाता सीज कर देता है वो ऐसे गम्भीर फ्राड पर मौन कैसे रह सकते हैं।

पुलिस की कार्यप्रणाली से भी अधिक बैंकों की सम्पूर्ण प्रक्रिया इस विषय में गहरे संदेह के घेरे में दिखाई पड रही है। अनेक व्यक्ति एक दिन से लेकर 37 दिन तक डिजिटल अरेस्ट हुए और उनके खातों से करोड़ों रूपए ट्रांसफर होते रहे हैं । जो बैंक पचास हजार के ट्रांजेक्शन पर एलर्ट भेजता है और अधिक पैसा भेजने की कोशिश पर खाता सीज कर देता है वो ऐसे गम्भीर फ्राड पर मौन कैसे रह सकते हैं। इसी के साथ हमारे आर्थिक एजेंसियों को सांप कैसे सूंघ गया है। हम डिजिटल क्रांति का दम भर रहे हैं, यूपीआई ट्रांजेक्शन्स पर गर्व कर रहे हैं, आइटी के क्षेत्र में पूरी दुनिया में लौहा मनवा रहे हैं लेकिन ये सब उपलब्धियां डिजिटल अरेस्ट के मसले में फेल हैं। ऐसा नही है यह फ्राड भारत में ही हो रहा है । पूरी दुनिया में ऐसी घटनाएं हो रही हैं। लेकिन विदेशों में ऐसे मामलों में त्वरित कार्यवाही होती है और रकम की वसूली भी। हमारे यहां ऐसे मामलों में लूट की रकम का महज 15 से 20 फीसदी वसूली के समाचार हैं जो भयभीत तो करते ही हैं साथ ही भविष्य के प्रति आशान्वित भी नही करते। ऐसे मसलों में जो सवाल उठे हैं उनका जवाब कौन देगा। जब सरकार ने कानून बना कर नागरिकों के फोन सुनने का अधिकार हासिल कर लिया तो फ्राड काल क्यों पकड में नही आ रहे? क्यों नही सरकार नागरिकों को इस तरह की जालसाजी से बचने के लिए सघन प्रचार अभियान छेड रही? पुलिस ने अब तक ऐसे कितने लुटेरों के जुलूस निकाले और उनकी सम्पत्तियों पर बुल्डोजर चलाए हैं? कितने लापरवाह बैंक अधिकारियों के खिलाफ कार्यवाही हुई है? रिजर्व बैंक क्यों मुंह छिपाता फिर रहा है? सरकार संसद में ऐसे संवेदनशील मसलों पर खुलकर बहस क्यों नहीं करती ? वे कौन लोग हैं जो प्रधानमंत्री की चेतावनी के बाद भी बडी संख्या में डिजिटल अरेस्ट कर इक्कट्ठा हुई रकम में बंटवारा कर सरकार को बदनामी की काली कोठरी में धकेल रहे हैं? डिजिटल अरेस्ट में अपनी राशि लुटा चुके लोगों को बैंकों ने क्षतिपूर्ति की सम्पूर्ण राशि क्यों नहीं लौटाई? सरकार ने पब्लिक अवेयरनेस के अभी तक सुनियोजित डिजिटल लिट्रेसी कम्पैन लांच क्यों नहीं किया? डिजिटल अरेस्ट के मसलों में विदेशी एजेंसियों की भागीदारी का भण्डा लगातार क्यों नहीं फोडा जा रहा ? क्यों नहीं हर शहर में पुलिस, बैंक, प्रशासन और आई टी एक्सपर्ट की संयुक्त नोडल टीम ऐसे मामलों को सुलटा ने के लिए गठित हुई? डिजिटल अरेस्ट के पहले काल के साथ ही सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट हो कर विक्टिम की रक्षा क्यों नहीं कर रही? सरकार स्कूल कालेजों में डिजिटल फ्रोड से बचने के कोर्स क्यों नहीं चला रही? पुलिस प्रत्येक थाने में कैम्प लगाकर आश्वस्त क्यों नहीं कर रही? सरकार अपने समस्त विभागों को चेतावनी जारी कर क्यों नहीं समझा रही की ये सब फर्जी काल हैं डरें नहीं? पुलिस किसी की शिकायत पर यह उत्तर कैसे दे सकती है कि अपराध तो हुआ ही नही? ऐसे अन्य भी हजारों सवाल हैं जो जिम्मेदार लोगों से जवाब चाहते हैं। मैं जब आज इस लेख के समापन की ओर बढ रहा तो सवेरे-सवेरे समाचार पढा, हैदराबाद में एक इंजीनियर को डिजिटल अरेस्ट कर ठगों ने सात करोड रुपए लूट लिए। हे राम! सरकार की ऐजेन्सियां जब जागेगी तब तक तो देश का अरबों रूपया लुटेरों की जेब में जा चुका होगा। आप समझ रहे हैं ना समानांतर रूप से देश में काली अर्थव्यवस्था का साया गहरा होता जा रहा है। आर्थिक असमानता पनप रही है और बेरोजगार लोगों को घन कमाने का यह रास्ता सुगम लगने लगा है। अन्त में आपके साथ यदि ऐसी घटना हो तो तत्काल उससे कहें तुम रुको मैं लोकल पुलिस को कान्फ्रेंसिंग पर लेकर तुम्हारी बात की पुष्टि कर लेता बस इतना सुनते ही अपराधी छूमंतर हो जाएगा, आजमा कर देखिएगा।

–अतिथि संपादक,
राजेन्द्र मोहन शर्मा,
साहित्यकार, शिक्षाविद एवं चिन्तक

शहरी सडकों एवं गलियों में पेड़ लगाने के मापदंडों का निर्धारण और अनुसरण क्या आवश्यक नहीं?

प्रो. वीर बहादुर सिंह

हरियाली देखने में सर्वत्र सुहानी लगती है। हरा रंग ही सम्पन्नता और खुशहाली का द्योतक माना जाता है। पेड़-पौधों और जीव-जंतुओं से मनुष्य का नाता प्राचीन है। मनुष्य को पहले ही पता था कि हरे भरे पेड़ जहाँ मनुष्य को लकड़ी, पत्ते आदि आग जलाने के लिए उपलब्ध कराते हैं वही उनसे प्राप्त अनेक फल, फूल-पत्तियां, छाल, जड़े आदि आहार, औषधि, सुगंध आदि के लिए उपयोग में लिए जाते हैं। इमारती लकड़ी तो मानव बहुत पहले से ही अपने विभिन्न कामों में लेता आया है। अनेक स्थानों पर आवास के लिए घर भी लकड़ी से ही बनते हैं।

पेड़ पौधों के बीज अनेक पक्षिओं के खाने में काम आते हैं। प्रकृति में सभी कुछ इतने आपस में बंधे हुए हैं कि किसी एक के बारे में सोचना ही दूसरे का ध्यान आकर्षित कर लेता है। अत: इन सब को अलग करना ही दुष्कर है। पेड़ों से गिरी हुए पत्तियां ज़मीन पर सड़कर खाद बन कर पुन: छोटे पेड़ों को खाद देकर उन्हें पोषित करती हैं। उपरोक्त उपयो गताओं के अतिरिक्त भी पेड़ पौधों से मानव को एक बड़ा लाभ है वह है पत्तिओं द्वारा दिन में सूर्य के प्रकाश में ऑक्सीजन का उत्सर्जन जिससे हम सांस ले कर अपने रक्त शुद्ध करते हैं। सूर्य के प्रकाश में पत्तिओं में उपस्थित क्लोरोफिल प्रकाश संश्लेषण से पेड़ के लिये भोजन बनता है जो जड़ों तक पहुंच कर उन्हें पोषित करता है और पेड़ की वृद्धि में सहायक होता है। हरी पत्तिओं में घटित होने वाली इस रासायनिक क्रिया को फोटोसिंथेसिस अथवा प्रकाश संश्लेषण कहते हैं। पेड़ की हरी पत्तिओं से जल का वाष्पीकरण भी होता है जिससे वायु नम और आद्रता लिए रहती है। इस प्रकार पत्तिओं में प्रकाश संश्लेषण, स्वशन और वाष्पीकरण तीनों क्रियाएं होती हैं। सोचिए पेड़ से कितने फायदे, ऑक्सीजन न मिले तो सांस बंद और जीवन समाप्त। इसलिए पेड़-पौधों की अहमियत मानव और अन्य सभी जीव जंतुओं के लिए असीमित है। अभी तक तो बिना इनके जीवन संभव ही नहीं।

लिस्ट बहुत लम्बी है। दुर्भाग्य से शहरी सड़कों के दोनों तरफ लगे पेड़ों की उचित देखभाल भी नहीं होती, बिजली के तार भी पेड़ की ऊपर की शाखाओं तक पहुँच कर उलझ जाते हैं और शार्ट सर्किट से घरों में रखे बिजली के उपकरण ख़राब हो जाते हैं और सामान्यत: बिजली आपूर्ति में बाधा पड़ जाती है। पेड़ों से प्राप्त लाभों को गिनाना दुष्कर तो है ही । ऑक्सीजन, कार्बन डाइऑक्साइड के अलावा वातावरण में अन्य नाइट्रोजन, प्रशीतन उपकरणों के एवं अन्यों के संचालित होने पर निकलने वाली हानिकारक गैसें यथा नाइट्रोजन, कार्बन मोनोऑक्साड कार्बन डाइ ऑक्साइड फोसजीन, हाइड्रोजन सल्फाइड, क्लोरोफ्लोरो कार्बोन और रोमन्थकारी पशुओं व् धान के खेतों से निकली मीथेन गैसें भी उपस्थित रहती हैं। कार्बन डाइऑक्साइड ऑक्सीजन से अपेक्षाकृत भारी होती है अत: प्रकाश संश्लेषण और कार्बनिक पदार्थ जलाने पर वायुमंडल में घुलती रहती है। इसलिए वह स्थान जहाँ पेड़ों की सघनता अधिक होती है वहां उसके चारो तरफ और नीचे कार्बन डाइऑक्साइड अधिक मात्रा में मौजूद रहती है।

ग्रामीण परिवेश के बुजुर्ग यह सलाह लोगों को देते रहते हैं कि रात को किसी बड़े पेड़ के नीचे नहीं सोना चाहिए। कारण स्पष्ट है कि रात भर सोनें वाला अपनी श्वांस में कार्बन डाइऑक्साइड ही फेफड़ों में भरेगा जिससे उसके रक्त में ऑक्सीजन की कमी से चयापचय क्रिया से उत्पन्न हानिकारक पदार्थ शरीर से बाहर नहीं निकल सकेंगे। रक्त दूषित होने से अनेक बिमारिओं का शरीर में पैदा हो जाना स्वाभाविक है।

इन सब बातों को दृष्टिगत रखते हुए हमें वनों को छोड़कर आवासीय कोलोनिओं में प्लान करके पेड़ लगाने चाहिए और उनकी देखभाल काटछांट भी समय-समय पर करते रहना चाहिए। इसलिए शहरी सड़कों एवं गलिओं में पेड़ों का चुनाव बुद्धिमानी से कर रोपना यथेष्ट होता है। घर के बिलकुल पास तो पेड़ों की सघनता ऐसी होनी चाहिए ताकि घर पेड़ों से आक्षादित न हो, सूरज की रौशनी घर में आनी ही चाहिए अन्यथा लम्बे समय तक बिना सूर्य रौशनी के पेड़ों में विभिन्न प्रकार की फफूंदी उत्पन्न हो जाती है। यह नज़ारा माउंट आबू के कई स्थानों पर बड़े पेड़ों पर देखा जा सकता है इन फफूंदी के स्पोर्स वायु द्वारा उस सारे वातावरण जिसमे घर भी शामिल है, बिखर जाते हैं और मनुष्यों की सांस द्वारा फेफड़ों में प्रवेश कर ऐलर्जी आदि अनेक रोग उत्पन्न कर देते हैं।

राजस्थान में जहाँ वेताहषा खनन से सभी छोटे-बड़े पहाड़ नग्न हो चुके हैं उन्हें बिना बिलम्ब किये पुनर्जीवित करने की सख्त जरुरत है। इसके लिए सम्बंधित सरकारी और अन्य संस्थाओं द्वारा शख्त कदम उठाने की बहुत शीघ्र आवश्यकता है। आज उदयपुर और अन्य भागों में सर्दी का प्रकोप आज से 40-45 वर्ष पूर्व की अपेक्षा कई गुना बढ गया है। मुझे याद है वर्ष 1970-75 के दौरान सर्दिओं में एक स्वेटर से काम चल जाता था, कोट सूट तो बहुत कम लोग सिलवाते थे। इस परिवर्तन के लिए हम सब दोषी हैं। सोचिये हम प्रॉपर्टी धन आदि तो अपने आगे की पीड़ी के किये संचित किये जा रहे हैं लेकिन वर्तमान स्थितिओं के चलते क्या वे इन संचित संसाधनों को भोग पाएंगे? समय से चेतना ही श्रेयकर है।

फारेस्ट विभाग का उत्तर्दायित्व है कि वे सभी स्थानों पर पेड़ रोपने की प्लान बनायें, वर्तमान में शहर के सम्बंधित बिभागों में समन्वय की घोर कमी है जिससे अव्यवस्था उत्पन्न होकर लम्बे समय तक बनी रहती है। शहरी सड़कों की चौड़ाई के अनुसार ही पेड़ों को नर्सरी में उगाकर रोपने के लिए सम्बंधित संस्थाओं को सोंपें। फलस्वरूप 100 फ़ीट और उससे अधिक चौड़ी सड़क के पेड़ अपेक्षकृत कुछ बड़े और 30 फ़ीट से 60 फ़ीट चौड़ी सड़क के लिए अधिकतम 15 फ़ीट ऊंचाई के पेड़ तथा तीस फ़ीट से कम चौड़ाई की सडकों गलिओं के लिए पेड़ों को अधिकतम ऊंचाई दस फ़ीट से अधिक नहीं होनी चाहिए। साथ ही रोपने की एक की दूसरे से दूरी भी क्रमश: 60 फ़ीट, 40 फ़ीट और 30 फ़ीट : चौड़ी गली के लिए पेड़ से पेड़ की दूरी 20 फ़ीट से कम नहीं रखनी चाहिए। एक विशेषज्ञों की समिति इन माप दंडों को और भी विचार-विमर्श कर अनुमोदन कर सकती हैं।

पेड़ों का चुनाव हॉर्टिकल्चर विभाग और फारेस्ट मिल कर निर्णय करें। रोपने के बाद देखभाल के किये उनकी सुपुर्दगी म्यूनिसपल्टी को दी जानी चाहिए जो उनकी सिंचाई, छटाई, रिप्लेसमेंट आदि करते रहें। आवश्यक हो तो सम्बंधित पार्षद को मुखिया नियुक्त कर जवाबदेही दी जा सकती है। पेड़-पौधों का चयन और रोपने के समय आयुर्वेद विभाग को भी सम्मिलित करना उपयुक्त रहेगा क्योंकि अनेक औषधीय वनस्पतियां भी साथ ही रोपी अथवा बोई जा सकती हैं।

शहरी क्षेत्रों के पार्क बगीचों में भी बड़े पेड़ यथा बरगद, पीपल, जामुन, बबूल, इमली, करंज, भद्राक्ष, कल्प वृक्ष, शहतूत, कटहल, महुआ जैसे पेड़ नहीं लगाने चाहिए। साथ ही एक्वालिप्टस या सफेदा भी वही उपयुक्त रहता है जहाँ पानी भराव की बहुतायत रहती है अन्यथा सामान्य जगह पर यह पेड़ रोपने से बचना चाहिए। और भी बहुत से लाभप्रद जानकारी पेड़ों के बारे में सम्बंधित विशेषज्ञों से ली जा सकती है। इस प्रकार यदि हम नंगे पहाड़ों को पुरजीवित कर लें और शहरी आवासीय क्षेत्रों में एक निर्धारित प्लान के अनुसार पेड़ पौधे लगाएं और उचित देखभाल करे तो निश्चित ही कुछ वर्षों में ही काया पलट हो सकता है।

–प्रो. वीर बहादुर सिंह,
पूर्व कुलपति एवं खाद्य विज्ञ,
महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय,
उदयपुर, राजस्थान

'विद्यार्थी अर्जित ज्ञान से लोक कल्याण में जुट जाएं, विकसित भारत का संकल्प साकार करें'

वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय और कोटा विश्वविद्यालय का दीक्षांत समारोह आयोजित

कोटा, (निसं)। राज्यपाल एवं कुलाधिपति हरिभाऊ बागड़े ने कहा कि दीक्षित विद्यार्थी अर्जित ज्ञान का नैतिकता और विवेकशीलता के साथ उपयोग कर लोक कल्याण के लिए समर्पित रहें। निरंतर बौद्धिक क्षमता बढ़ाने के प्रयास करें। हमारी प्राचीन ज्ञान परंपरा जीवन पथ का आलोक है, उससे प्रेरणा लेते हुए अपने कर्तव्य पथ पर आगे बढ़ें और विकसित भारत के संकल्प को साकार करें। राज्यपाल एवं कुलाधिपति हरिभाऊ बागड़े ने शुक्रवार को वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय के 17वें दीक्षांत समारोह और कोटा विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह को संबोधित कर अपने विचार व्यक्त किये।

इस अवसर कोटा खुला विश्वविद्यालय के विभिन्न पाठ्यक्रमों में 60 हजार 505 उपाधियां प्रदान की एवं उपाधियों को ऑनलाइन करने की प्रक्रिया का शुभारंभ किया। समारोह को संबोधित करते हुए कुलाधिपति ने कहा कि दीक्षांत की परंपरा जीवन का एक नया अध्याय है जिसमें विद्यार्थी को ज्ञान के सागर में उतरकर अनेक नवाचार करने होंगे। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति जो 400 कुलपतियों, 1000 शिक्षाविदों और 1400 विषय विशेषज्ञों के सानिध्य में तैयार की गई है, इसके उत्कृष्ट परिणाम आने वाले समय में परिलक्षित होंगे। दीक्षांत अतिथि गुरूनानक देव विश्वविद्यालय अमृतसर के कुलपति प्रो. करमजीत सिंह ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों का आव्हान किया कि अर्जित ज्ञान और परिश्रम के साथ लक्ष्य प्राप्ति में जुट जाएं और समाज को अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए जीवन लगा दें।

वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. कैलाश सोडाणी ने कहा कि दीक्षित विद्यार्थी समय का मूल्य समझते हुए, समय के साथ चलने और उद्यमिता के पथ पर बढ़ने में रूचि लें।

कोटा विश्वविद्यालय में प्रदान किए मेडल-कुलाधिपति हरिभाऊ बागडे ने बालाजी मार्केट स्थित यू.आई.टी. सभागार में कोटा विश्वविद्यालय के 11वें दीक्षान्त समारोह की अध्यक्षता की। इस समारोह में प्रो. डी.पी.सिंह, कुलाधिपति टाटा सामाजिक संस्थान, मुम्बई, दीक्षान्त अतिथि रहे। दीक्षान्त समारोह में वर्ष 2022 की परीक्षाओं में विभिन्न संकायों व विषयों में मेरिट में स्थान प्राप्त करने वाले व वर्ष 2022 के पीएच.डी. धारकों को उपाधियां प्रदान की गयी। कुलाधिपति पदक व प्रमाण पत्र गत 06 वर्षों में समाज विज्ञान संकाय में अधिकतम अंक अर्जित करने वाली पीजी विद्यार्थी हिमांगी अग्रवाल एवं कुलपति पदक व प्रमाण पत्र गत 06 वर्ष में कला संकाय में अधिकतम अंक अर्जित करने वाली यूजी विद्यार्थी शालिनी मालव को दिया गया।

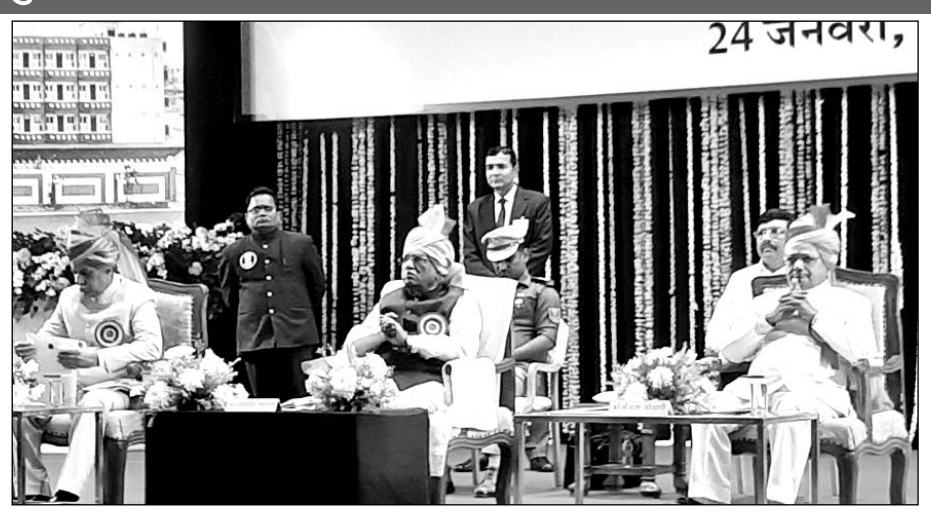

कोटा में विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में राज्यपाल एवं कुलाधिपति हरिभाऊ बागड़े ने शिरकत की।

- **राज्यपाल व कुलाधिपति हरिभाऊ बागड़े ने समारोह में पीएच.डी. धारकों को उपाधियां प्रदान की**

कुलाधिपति हरिभाऊ बागड़े ने कहा कि एक महान विभूति पूण्यश्लोक देवी अहिल्याबाई होलकर का यह 300वाँ जयंती वर्ष चल रहा है। उनका जीवन भारतीय इतिहास का एक स्वर्णिम युग है। ग्रामीण पृष्टभूमि वाले सामान्य परिवार की बालिका से एक असाधारण शासनकर्ता तक की उनकी जीवनयात्रा आज भी सभी के लिए प्रेरणा का महान स्त्रोत हैं।

प्रो. डी.पी. सिंह, कुलाधिपति टाटा सामाजिक संस्थान, मुम्बई ने दीक्षान्त भाषण दिया तथा कुलपति प्रो. कैलाश सोडाणी ने विश्वविद्यालय का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया तथा कहा कि विश्वविद्यालय सीमित संसाधनों के बावजूद निरंतर प्रगति की ओर अग्रसर है। कुलसचिव भावना शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस दीक्षान्त समारोह में विश्वविद्यालय के कला, समाज विज्ञान, विज्ञान, वाणिज्य, शिक्षा, विधि व जीव विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता भी उपस्थित थे।

सलेक्ट शिक्षकों को पदस्थापन कब मिलेगा, स्थिति स्पष्ट नहीं

कमेटी नए सिरे से इंग्लिश मीडियम स्कूलों का रिव्यू कर रही है

बीकानेर, (निसं)। महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूलों में रिक्त पदों को भरने के लिए चयन परीक्षा - 2024 में सलेक्ट हुए शिक्षकों को पदस्थापन कब मिलेगा, इसको लेकर अभी तक स्थिति स्पष्ट नहीं है।

पहले 10 प्रतिशत बोनस अंकों को लेकर मामला न्यायालय में होने के कारण रिजल्ट जारी होने में विलंब हुआ। 23 दिसंबर को रिजल्ट घोषित होने के बाद राज्य सरकार ने 3 जनवरी को प्रदेश के 3737 महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूलों की समीक्षा के लिए डिप्टी सीएम प्रेमचंद बैरवा की अध्यक्षता में चार सदस्यीय एक कैबिनेट सब कमेटी बना दी। अब यह कमेटी नए सिरे से इंग्लिश मीडियम स्कूलों का रिव्यू कर रही है। ऐसे में 13 से 16 जनवरी को चयनित शिक्षकों से पदस्थापन के लिए ऑनलाइन विकल्प लेने के सप्ताहभर बाद भी जिला आवंटन नहीं हो पाया है। उधर, कमेटी की पहली बैठक 22 जनवरी को हो चुकी है। संभावना जताई जा रही है कि जिस तरह से पिछले सप्ताह कम नामांकन वाले प्रदेश के 449 हिंदी मीडियम स्कूलों को मर्ज किया गया है। वैसे ही शून्य और कम नामांकन वाले महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूलों को भी मर्ज या फिर वापस हिंदी मीडियम स्कूलों में बदला जा सकता है। फिलहाल कमेटी की रिपोर्ट का इंतजार है।

इस सारी प्रक्रिया के बीच चयन परीक्षा में पात्र हुए 30 हजार शिक्षकों का पदस्थापन भी अटका हुआ है। प्रदेश में चल रहे 3337 महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूलों में शिक्षकों के करीब 17500 पद रिक्त बताये जा रहे हैं। उधर, 2 महीने बाद 6 मार्च से बोर्ड की परीक्षायें शुरू होने वाली है। अप्रैल में स्कूली स्तर की वार्षिक परीक्षा प्रस्तावित है। लेकिन इन स्कूलों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को अभी तक शिक्षक नहीं मिले हैं।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

शनिवार 25 जनवरी, 2025

माघ मास, कृष्ण पक्ष, एकादशी तिथि, शनिवार, विक्रम संवत 2081, ज्येष्ठा नक्षत्र रविवार प्रात: 8:26 तक, ध्रुव योग रात्रि 4:38 तक, बव करण प्रात: 7:54 तक, चन्द्रमा आज वृश्चिक राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मकर, चन्द्रमा-वृश्चिक, मंगल-मिथुन, बुध-मकर, गुरू-वृष, शुक्र-कुम्भ, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज षटतिला एकादशी व्रत है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ 8:39 से 9:59 तक, चर 12:34 से 1:59 तक, लाभ-अमृत 1:39 से 4:39 तक।

राहूकाल: 9:00 से 10:30 तक। सूर्योदय 7:19, सूर्यास्त 5:59

मेष
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। परिवार में स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है। यात्रा में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

वृष
परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मिथुन
व्यावसायिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। अस्त-व्यस्त कार्य व्यवस्थित होने लगेंगे।

कर्क
परिजनों के व्यवहार के कारण दु:ख हो सकता है। आपसी ईर्ष्या-वैमनस्यता के कारण परेशानी हो सकती है। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

सिंह
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि होगी। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है।

कन्या
आर्थिक मामलों में परिचितों से सहयोग/परामर्श मिल सकता है। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक मामलों में उचित सोच-विचार हो सकता है। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी।

तुला
व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आज धार्मिक स्थान की यात्रा हो सकती है।

वृश्चिक
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

धनु
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। आज अनर्गल कार्यों में समय खराब होगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मकर
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। आय के नवीन स्त्रोत सामने आयेंगे। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी।

कुंभ
व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मीन
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा।